पाठ 23

मुगलकालीन प्रशासन तथा जनजीवन

आइए सीखें

- मुगलकाल की प्रशासनिक व्यवस्था कैसी थी?
- मुगलकाल में सामाजिक, आर्थिक व धार्मिक स्थिति कैसी थी?
- मुगलकाल में शिक्षा-साहित्य एवं कला के क्षेत्र में कौन-कौन से परिवर्तन हुए?

भारत में, दीर्घकाल तक मुगलों का शासन रहा। इस युग की प्रशासन व्यवस्था और जन-जीवन की क्या विशेषताएँ थी? साहित्य कला एवं स्थापत्य के क्षेत्र में कैसी प्रगति हुई? इन सब बातों की जानकारी आप इस पाठ में प्राप्त करेंगे।

मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था

(1) मुगल साम्राज्य में सम्राट सर्वोपरि था। वह सेना की सहायता से शासन चलाता था।

(2) (अ) सम्राट की सहायता हेतु अनेक मंत्री होते थे। सबसे ऊँचा पद वकील/वजीर (प्रधानमंत्री) का होता था, जो सभी विभागों की देखभाल करता था एवं अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति में अपनी राय देता था।

(ब) दीवान या वजीर राज्य की आय-व्यय का हिसाब रखता था।

(स) 'मीर-बख्शी' सैन्य विभाग का अध्यक्ष होता था, यह सैन्य विभाग की देखभाल एवं सैनिकों को वेतन देना तथा मनसबदारों की सूची सम्राट को भेजने का कार्य करता था।

(3) खान-ए-सामां, घरेलू विभाग का प्रधान होता था, जो शाही भोजनालय एवं राजमहल की अन्य आवश्यकताओं का प्रबन्ध करता था। सद्र-ए-सुदूर, दान विभाग, न्याय एवं शिक्षा-विभाग का कार्य देखता था तथा काजी-उल-कजात न्याय विभाग का अध्यक्ष होता था।

(4) सम्राट अकबर ने मुगल साम्राज्य में प्रांतीय शासन व्यवस्था प्रारंभ की। उसने अपने साम्राज्य को 15 सूबों में विभक्त किया, जिनमें केन्द्र के समान प्रशासन व्यवस्था थी।

शिक्षण संकेत

- मुगलकाल में प्रशासन की सुविधा के लिए साम्राज्य को किन-किन प्रांतों में बांटा गया था, इसकी जानकारी मानचित्र के आधार पर छात्रों को दें।
- मीराबाई, दादू, रैदास आदि के पदों का वाचन करवाएँ तथा उनकी व्याख्या करें।

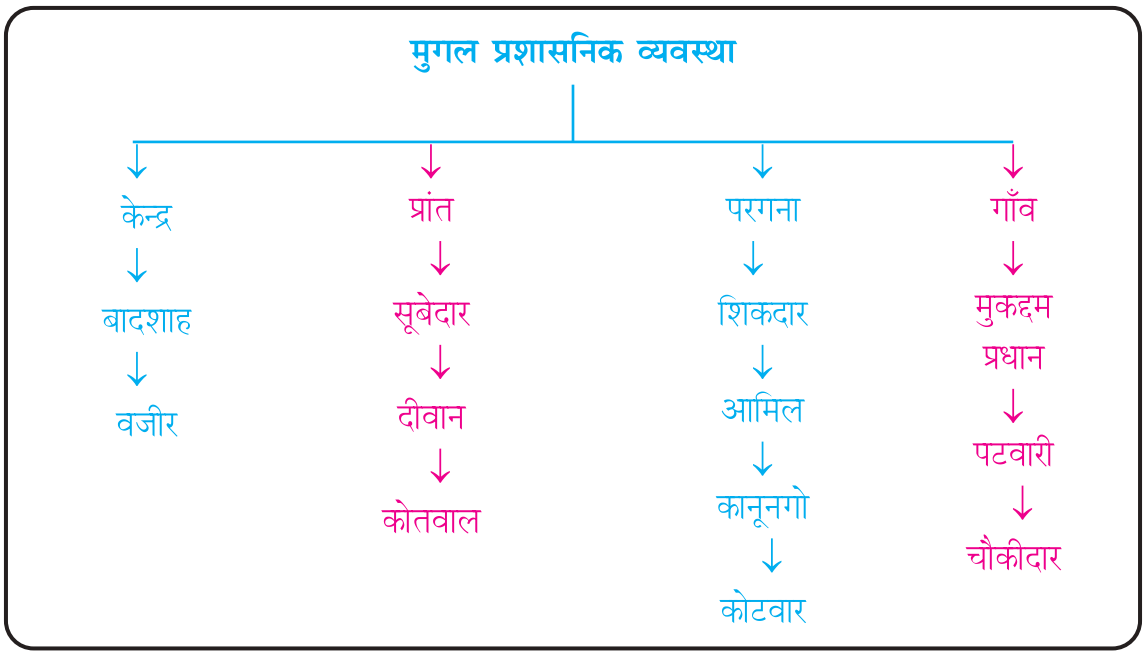

सामाजिक स्थिति

(1) सल्तनत काल की तरह मुगलकाल में समाज, हिन्दू व मुस्लिम दो प्रमुख समाजों में बंटा था। समाज में सामंत, अमीर वर्ग तथा जागीरदारों का वर्चस्व था। ये सम्राट की तरह बड़ी शान-शौकत से रहते थे।

(2) मध्यम वर्ग में शासकीय कर्मचारी, शिल्पकार, छोटे-छोटे दुकानदार, सामान्य व्यापारी आदि सम्मिलित थे। निम्न वर्ग में कृषक, श्रमिक व दैनिक मजदूरी के कारीगर व सेवक आदि थे।

(3) हिन्दू समाज जाति-प्रथा पर आधारित था। जातिगत बंधन कठोर थे। ब्राह्मण व क्षत्रियों का समाज में ऊँचा स्थान था। मुसलमानों में जातिगत भेदभाव, शिया व सुन्नी मतभेद बढ़ रहे थे।

(4) समाज में स्त्रियों की दशा में अत्यंत गिरावट आई थी। पर्दा-प्रथा, बहु विवाह, सती प्रथा, बाल-विवाह, जौहर-प्रथा जैसी बुराईयाँ समाज में व्याप्त थीं। स्त्रियों की शिक्षा का कोई विशेष प्रबंध नहीं था। उच्चकुल की लड़कियाँ अपने घरों में शिक्षा पाती थीं और साधारण परिवार की लड़कियाँ शिक्षा से वंचित रह जाती थी।

(5) शाकाहारी एवं माँसाहारी दोनों प्रकार का भोजन समाज में प्रचलित था।

(6) सूती, ऊनी, रेशमी, रंगीन व सफेद कपड़ों का प्रचलन था। नुकीली जूतियाँ व लकड़ी की खड़ाऊँ पहनी जाती थी।

(7) चौगान (पोलो), शिकार, पशुदौड़, घुड़सवारी, शतरंज, चौपड़, ताश, मेले व त्यौहार आदि मनोरंजन के प्रमुख साधन थे।

- **मुगल काल में अनेक विदुषी स्त्रियाँ हुई, जिन्होंने कला एवं साहित्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें मीरा बाई, जैबुन्निसा, गुलबदन बेगम, नूरजहाँ आदि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है।**

आर्थिक स्थिति

(1) मुगल काल में कृषि प्रमुख व्यवसाय था। गेहूँ, चावल, जौ, ज्वार, मक्का, बाजरा, कपास, चना, गन्ना, विभिन्न दालें, तिलहन, सन, नील, अफीम आदि विभिन्न प्रकार की फसलें उत्पन्न की जाती थी। उपज का 1/2 अथवा 1/3 भाग तथा व्यापार कर, राज्य की आय के प्रमुख साधन थे।

(2) हस्तशिल्प उद्योग, काष्ठ उद्योग, व वस्त्र उद्योग उन्नत अवस्था में थे।

(3) भारत से विदेशों को सूती वस्त्र, मलमल, गरम मसाले, हल्दी, नमक, शोरा, नील, अफीम, चीनी, मिश्री, गोंद, हीरे-मोती, औषधियाँ आदि का निर्यात किया जाता था तथा सोना-चाँदी, ताँबा, सीसा, इस्पात, काँच, दर्पण, शराब, घोड़े, मूंगा, पारा आदि का आयात किया जाता था।

- **अकबर ने भूमि राजस्व निर्धारण व्यवस्था में शेरशाह द्वारा जारी व्यवस्था को अपनाया। इस व्यवस्था में जमीन का मापन व सर्वेक्षण करके उपज का 1/3 (एक तिहाई) हिस्सा राज्य के लिए तय होता था।**

धार्मिक स्थिति

(1) सल्तनत काल की तरह मुगल सम्राट इस्लाम धर्म के कट्टर अनुयायी थे। अकबर ने सुव्यवस्थित शासन चलाने के लिए कूटनीति का सहारा लेते हुए, सभी धर्मो के प्रति सहिष्णुता की नीति अपनाई और फतेहपुर सीकरी में इबादत खाना (उपासनाग्रह) का निर्माण किया। विभिन्न धर्मों के तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर दीन-ए-इलाही नामक पंथ चलाया। जहाँगीर व शाहजहाँ ने अकबर की इसी नीति को आंशिक रूप से अपनाया।

(2) औरंगजेब ने हिन्दुओं के प्रति असहिष्णुता की नीति का बर्ताव किया। उन पर अनेक प्रतिबंध लगाये, ज़जिया कर पुनः लगाया तथा उनके धार्मिक स्थलों पर आक्रमण किए।

(3) हिन्दुओं में वैष्णव व शैव मत अधिक प्रचलित थे। वैष्णव मत में कृष्ण व राम के पुजारियों की संख्या का बाहुल्य था। अनेक पवित्र स्थलों पर भगवान शिव की पूजा की जाती थी। तांत्रिक संप्रदाय का प्रचार-प्रसार था।

(4) जैन धर्म का समाज में बड़ा महत्व था, जैन और हिन्दुओं में तीर्थ यात्रा का प्रचलन था। बौद्ध धर्म का भारत में लगभग ह्रास हो चुका था।

(5) इस काल के प्रमुख भक्ति संत तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, मलूकदास, दादू, रैदास आदि हुए, जिन्होंने जन-साधारण को ईश्वर प्रेम के साथ-साथ राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया। सूफी संतों में मुइनुद्दीन चिश्ती, शाह हुसैन आदि प्रमुख संत हुए, जिन्होंने भक्ति व प्रेम के द्वारा ईश्वर के निकट जाने का मार्ग बताया।

शिक्षा व साहित्य

(1) मुगल काल में फारसी एवं तुर्की के साथ-साथ हिन्दी, संस्कृत, बंगला एवं पंजाबी साहित्य का यथेष्ट विकास हुआ। अनेक सम्राटों ने विद्वानों को राजाश्रय दिया।

(2) प्राथमिक शिक्षा 'मकतब' व उच्च शिक्षा मदरसों में दी जाती थी।

(3) संस्कृत के उत्कृष्ट ग्रंथों का ज्ञान अरबी और फारसी जानने वालों को मिले, इस उद्देश्य से अकबर ने एक अनुवाद विभाग स्थापित करवाया, तथा रामायण, महाभारत, लीलावती, हरिवंशपुराण, पंचतंत्र, अथर्ववेद, राजतरंगिणी आदि का फारसी में अनुवाद करवाया गया।

(4) जहांगीर स्वयं एक विद्वान था। उसने फारसी में तुजुक-ए-जहांगीरी लिखी। शाहजहां ने साहित्य को भरपूर संरक्षण दिया। उसका पुत्र दारा-शिकोह भारतीय ग्रंथों से अत्यधिक प्रभावित हुआ, उसने भगवद्गीता व उपनिषदों का फारसी भाषा में अनुवाद करवाया।

(5) इस काल के प्रमुख विद्वानों द्वारा रचित रचनाएँ निम्नलिखित है-

1.	तुलसीदास	-	'रामचरित मानस', विनयपत्रिका
2.	सूरदास	-	'सूरसागर'
3.	रसखान	-	'सुजान-रसखान और प्रेमवाटिका'
4.	अबुल फजल	-	'अकबरनामा' व 'आइने-अकबरी'
5.	मलिक मुहम्मद जायसी	-	पद्मावत
6.	अर्ब्दुरहीम खानखाना	-	'रहीम के दोहे'

संगीत कला

मुगल काल में भारतीय संगीत को सर्वाधिक प्रोत्साहन सम्राट अकबर ने दिया, तानसेन व बैजूबावरा, इस काल के प्रवीण संगीतज्ञ थे।

स्थापत्य कला

मुगल शासक स्थापत्य कला प्रेमी थे, जिसकी पुष्टि इस काल में बनी भव्य इमारतों से होती है। इस काल के भवनों में हिन्दू-मुस्लिम स्थापत्य शैलियों का मिश्रण दिखाई देता है।

स्थापत्य की दृष्टि से कुछ प्रमुख कलाकृतियाँ निम्नलिखित है—

(1) दिल्ली में हुमायूँ का मकबरा, स्थापत्य कला का सुंदर उदाहरण है।

(2) अकबर द्वारा फतेहपुर-सीकरी नामक नगर बसाया गया, जिसमें 'बुलंद दरवाजा' सहित अनेक उत्कृष्ट व सुंदर इमारतों का निर्माण करवाया गया।

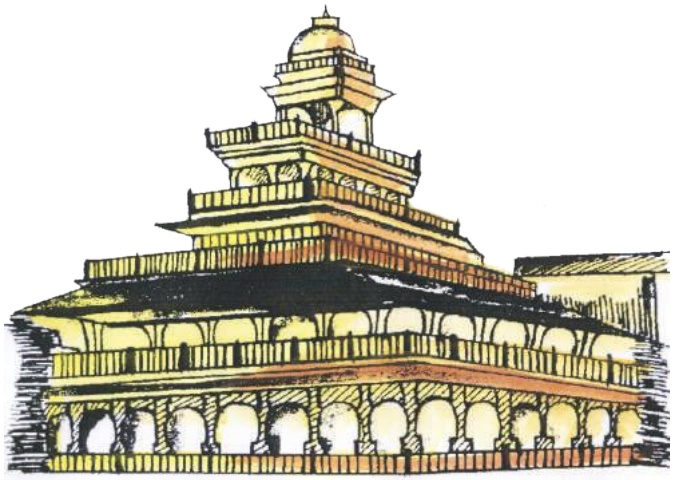

चित्र क्र.-48: पंचमहल, फतेहपुर सीकरी

(3) अकबर द्वारा भवन निर्माण कार्य में अधिकांशतः स्थानीय पत्थर (लाल बलुआ पत्थरों) का उपयोग करवाया गया। उसने चित्रकारों को भी राजाश्रय प्रदान किया।

(4) नूरजहां द्वारा अपने पिता एतमादुद्दौला के मकबरे का निर्माण करवाया गया, जो मूल्यवान रत्नों से सजाया गया था।

(5) शाहजहां द्वारा अपनी बेगम मुमताज की याद में बनवाया गया 'ताजमहल' इस काल का सर्वश्रेष्ठ निर्माण है। जिसे विश्व दायभाग (विश्व धरोहर) में शामिल किया गया है।

मुगल काल में शाहजहाँ के समय से ही भवन निर्माण में सफेद संगमरमर व लाल बलुआ पत्थर दोनों का उपयोग किया जाने लगा था। उसने दिल्ली व आगरा में जामा मस्जिद, दिल्ली का लाल किला, शीशमहल, मोती-मस्जिद आदि का सुंदर निर्माण कार्य करवाया। औरंगजेब द्वारा मोती मस्जिद का निर्माण करवाया गया।

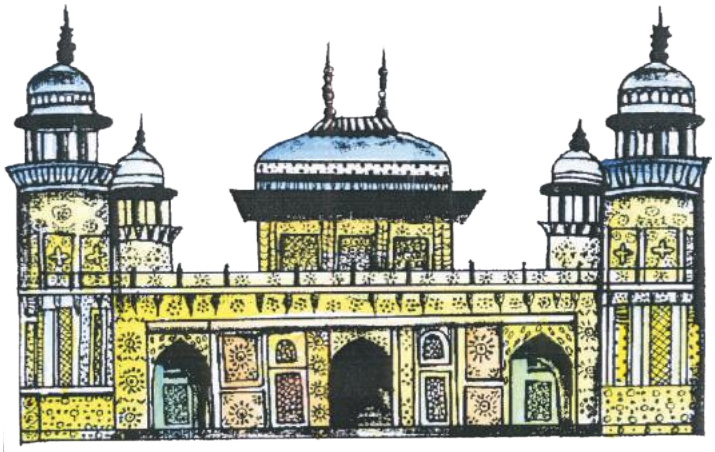

चित्र क्र.-49: एतमादुद्दौला का मकबरा

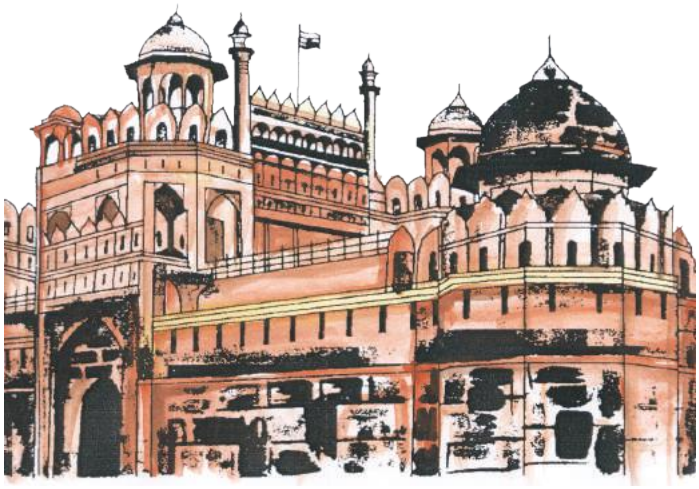

चित्र क्र.-50: लाल किला

चित्रकला

(1) मुगलकालीन चित्रकला में भारतीय तथा फारसी दोनों शैलियों की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। दोनों कलाओं के मिश्रण से एक नई शैली का जन्म हुआ जो 'मुगल शैली' कहलाती है। अकबर के समय की सबसे महत्वपूर्ण कृति 'हमजानामा' नामक दुर्लभ पांडुलिपि है, जिसमें लगभग 1200 चित्र हैं।

(2) जहांगीर चित्रकला का प्रेमी था, उसके काल में लघुचित्र लोकप्रिय हुए। उस्ताद मंसूर, मुराद व विसनदास,अबुल हसन इसके दरबार के प्रसिद्ध चित्रकार थे।

(3) मुगल काल में स्थानीय क्षेत्रों में चित्रकला की अनेक नवीन शैलियाँ, राजस्थानी, पहाड़ी तथा दक्खनी चित्रकला का विकास हुआ।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) मुगल काल में दीवान या वजीर क्या काम संभालता था–

(अ) आय-व्यय का हिसाब रखता था।

(ब) सैन्य विभाग की देखभाल करता था।

(स) घरेलू विभाग का हिसाब करता था।

(द) न्याय-विभाग का प्रमुख होता था।

(2) मुगल काल में लोगों का प्रमुख व्यवसाय क्या था–

(अ) कृषि (ब) काष्ठ उद्योग

(स) विदेशी व्यापार (द) इनमें से कोई नहीं।

(3) अकबर ने धार्मिक सहिष्णुता के आधार पर कौन-सा नया पंथ चलाया था–

(अ) दीन-ए-इलाही (ब) भक्ति-आन्दोलन

(स) सिक्ख-संप्रदाय (द) उपर्युक्त सभी

2. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों में लिखिए–

(1) अकबर के काल में भारतीय संगीत के महान गायक-------- प्रसिद्ध थे।

(तानसेन, तुलसीदास, रैदास, मीरा)

(2) शाहजहां द्वारा बनवाये गए -------- को विश्व दायभाग में शामिल कर लिया गया है।

(जामा-मस्जिद, लाल-किला, ताजमहल, हवामहल)

3. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) मुगल कालीन प्रशासनिक व्यवस्था की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

(2) मुगलकाल में आयात-निर्यात की जाने वाली वस्तुओं के नाम लिखिए।

(3) अकबर की धार्मिक नीति का संक्षेप में वर्णन कीजिए?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) मुगल काल में स्थापत्य-कला के विकास का, उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

परियोजना कार्य–

- मुगल काल की इमारतों के चित्र एकत्रित कर उनका एलबम बनाइए।